

154. तीत्रेण दाडेन R. 2,106,8. कृत्सि KATHÁS. 14,83. BHÁG. P. 7,9,38. कृत्ति KATHÁS. 18,279. वृत्ति R. 3,49,39. R. 1,16. ङक्ति MBH. 1,6029. 4,686. 5,7024. R. 1,14,31. 2,64,50. R. GORR. 1,27,28. BHÁG. P. 1,7,35. कृत् BHATT. 8,99. घृत BHÁG. P. 9,16,5. न कूटैर्युधैर्कृत्याङ्गिपून् M. 7,90. fg. यो प्रसह्य वृको कृत्यात् 8,235. fg. 350. MBH. 5,5942. Spr. (II) 5171. R. 1,2,32. 2,78,22. 3,55,9. अकृन् BHÁG. P. 1,15,9. 4,10,8. 7,8,31. अकृन्त् MBH. 1,6698. 3,14604. 12,4276. BHÁG. P. 8,10,55. वृत्तिपून् M. 7,98. 8,349. MBH. 3,12270. R. 2,25,32. RÁGA-TAR. 1,293 (घृत: zu lesen). विधान MBH. 3,11909. (तम्) कुम्भे विशिखेन RAGH. 5,50. शस्त्रेण विद्वरथं स्वा मक्षिणी *erdolchte* VARÁH. BRH. S. 78,1. वराकृनिवकृन् शरैः *erlegte* KATHÁS. 21,12. 46,232. RÁGA-TAR. 5,208. ङघृत् 3,86. ङघ्रिवान् BHÁG. P. 4,24,5. कृत्ता MBH. 2,2539. कृत्निष्यति u. s. w. ebend. und 1,5968. 5980. 5,5943. यो (इषुः) कृत्निष्यति वध्यं ताम् ÇÁK. 135. MĀRK. P. 18,21. 127,36. RÁGA-TAR. 5,309. अकृत्निष्यत् BHÁG. P. 4,17,19. med.: तमघृत शरैः MBH. 16,35. ङघ्रि 3,15732. कृत्निष्ये BHAG. 16,14. MBH. 1,5579. 3,13180. 13,24. HARIV. 15064. R. 2,21,19. 3,72,13. MĀRK. P. 135,16. BHÁG. P. 7,4,28. कृत्तुम् M. 5,37. MBH. 1,5570. R. 2,97,18. KATHÁS. 28,128. Spr. (II) 2399. RÁGA-TAR. 6,170. fg. VER. in LA. (III) 29,4. कृत्वा M. 3,33. 11,133. MBH. 1,5937. R. 1,1,40. 2,82,99. 3,49,14. 51,22. Spr. (II) 7364. pass.: कृत्यते M. 7,94. KATHÁS. 18,166. कृत्यमान RÁGA-TAR. 1,291. 4,328. कामशरैः PANĀT. 43,7. BHÁG. P. 3,17,25. कृत्यत् MBH. 13,5634 (nach der Lesart der ed. Bomb.). ङघ्रि KATHÁS. 46,224. कृत्निष्यते 48,133. — गदा गदया — अकृन्त् so v. a. *zurückschlagen, abwehren* BHÁG. P. 3,18,17. यथा आ भषितुं चैव कृत्तुं चैवावसञ्जते so v. a. *beissen* MBH. 13,2198. *tödten* so v. a. *mit dem Tode bestrafen, hinrichten lassen* M. 8,380. 9,232. 248. 269. 278. 280. अप्सु शुद्धवधेन वा 279. Spr. (II) 3216. — In der Astr. so v. a. *berühren*: दिवसकरमुल्काशनिविद्युतो यदा कृत्युः VARÁH. BRH. S. 3,33. मनः *das Herz verletzen* Spr. (II) 1277 = 1282. — 2) *zu Fall —, in's Verderben bringen, schädigen, zu Grunde richten, vernichten überh., zerstören*: ङक्ति वृक्ष्यानि RV. 6,25,3. पुरं: 31,4. माया: 7,99,4. लज्जम् 1,40,8. तर्मासि 8,43,22. 9,100,8. अग्रतीर्त्ति 4,17,19. अग्निशस्तिम् 5,3,7. ज्योतिषा तमः 14,4. कृत्यते यज्ञः TS. 5,1,9. 3,6,1,8,3. पाप्मानम् ÇAT. BR. 14,8,8,4. कामान् 9,8,2. यावतो बान्धवान्यस्मिन्कृत्ति साद्ये ऽनृतं वदन् M. 8,97. कथं सास्त्रेन दानेन भैर्दैर्दाडेन वा पुनः । अमित्रः शक्यते कृत्तुम् MBH. 1,5566. अत्मानमात्मना 3,2250. अरुतिवारं राजानं दोषाः R. 1,61,7. लोकान् R. GORR. 1,38,16. 77,41. (अननम्) अलिनी-लालकलतं के न कृत्ति Spr. (II) 644. सराष्ट्राणि पुराण्यपि 1368. 1572. 3089. 3836. 7366. क्रमेण शत्रुः कपटेन कृत्यते 7508. VARÁH. BRH. S. 3,21. 32. 4,21. fgg. य इदं सञ्जत्यवति कृत्ति BHÁG. P. 1,8,16. दृशम् KATHÁS. 62,67. पत्नशब्दैः श्रुतिम् RÁGA-TAR. 3,400. तत्कीर्त्ति कृत्ति त्वचमिवामयः BHÁG. P. 3,16,5. सर्वं गदम् Spr. (II) 1992. VARÁH. BRH. S. 104,6. चन्द्र-स्तमः Spr. (II) 5971. RÁGA-TAR. 4,197. BHÁG. P. 9,11,6. रसो रोगभयम्, सुधाबिन्दुर्विषावेगम्, धर्मः पापभयम् Spr. (II) 2817. मलम् M. 2,102. त-पसा कल्मषम् 12,104. अंकुः BHÁG. P. 9,15,41. आपो दैर्भाग्यम् JĀG. 1,282. विघ्नभयम् RAGH. 14,23. त्यागो सर्वव्यसनानि Spr. (II) 7531. धर्मम् M. 9,64. कार्याणि कार्याणाम् 231. सत्क्रियां देशकाली च शौचं ब्राह्मणसं-पदः 3,126. 241. 4,114. 156. इन्द्रियाणि यशः सर्वमायुः u. s. w. 11,40. प-रकृतम् Spr. (II) 1460. गुणान्परस्य 2592. धर्मो कृत्ति कृतः अयम् 7424.

RÁGA-TAR. 6,167. यत्र धर्मो व्यधर्मेण सत्यं यत्रानृतेन । कृत्यते Spr. (II) 5060. कृतं दैवेन कृत्यते R. 6,94,24. 2,22,20. नार्हसि मे कृत्तुं गतिं दि-व्याम् R. GORR. 1,77,48. आशाम् MBH. 3,16701. Spr. (II) 612. अम्भोजि-नीवनवासविलासमेव कृतस्य 544. so v. a. *hindern, verhindern* RÁGA-TAR. 5,253. विघ्नैः सकृत्गुणितैरपि कृत्यमानाः Spr. (II) 4342, v. 1. — 3) (die Trommel) *schlagen* AV. 20,132,9. ÇAT. BR. 14,3,4,7. KATHÁS. 116,11. BHÁG. P. 7,8,36 (pass.). PANĀT. 21,2. 10; vgl. भेरीघृत्तुः (eine Flüssigkeit) *schlagen, klopfen*: कृत्याद्यावद्वनत्वं समुपागतम् VARÁH. BRH. S. 55,25. — 4) *ein Geschoss werfen auf* (gen.): ङक्ति वर्धर्वनुषो मर्त्यस्य RV. 4,22,9. 7,25,9; vgl. unter निस्. — 5) *an sich unterdrücken, aufgeben, fahren lassen*: व्यथो ङक्ति MBH. 1,6145. ङक्ति संतापमात्मनः 3,16826. मा धर्मं ङक्ति — क्रोधं ङक्ति 4,648. अयमम् R. GORR. 1,28,17. शाकं च मोक्षं च R. SCHL. 2,44,19. म-दम् Spr. (II) 2597. वैल्लव्यम् BHÁG. P. 1,13,42. घ्रासुरं भावम् 7,8,10. die Vermuthung liegt nahe, dass dieses ङक्ति für ङक्ति (von कृ) stehe. — 6) partic. कृतं a) *geschlagen; getroffen, erschlagen, vernichtet* RV. 1,104,3. 10,86,18. 113,7. AV. 10,4,12. 11,9,7. vom Blitz 7,59,1. *hin, verloren* u. s. w. RV. 1,129,8. — *geschlagen* MBH. 4,503. Spr. (II) 6170. प्रद्वपदा कृतः (könnte auch अकृतः sein) BHÁG. P. 1,17,3. 3,19,16. 7,8,5. सायकैः *getroffen* R. 3,54,28. धन्विना मकारकेतुना Spr. (II) 5654. HIT. 34,21. डुःखाशानि° KATHÁS. 19,27. शुद्धबाण° R. 2,96,34. दिग्ध° R. GORR. 2,114,33. ग्रहो ग्रहेण in astr. Sinne so v. a. *berührt* AV. PANĀT. in Ind. St. 10,317. VARÁH. BRH. S. 8,53. 13,7. 15,31. 16,40. 17,7. 8. नयन *ausgeschlagen* R. 2,96,56. शिरस् *abgeschlagen* 3,33,38. डिम्बा-कृव° *getödtet* M. 5,95. शस्त्रैः लज्जधर्मकृतः 98. अग्निः 131. अ° 8,232. प-रावृत्त° 7,95. BHAG. 16,14. MBH. 3,2543. 5,5737. R. 1,55,10. 2,21,34. 61,22. 63,31. 64,27. 53. 65,24. 4,1,15. Spr. (II) 106. 6437. 7363. KATHÁS. 18,177. RÁGA-TAR. 1,292. 4,703. BHÁG. P. 3,14,2. पशु AK. 2,7,25. *getroffen von* so v. a. *heimgesucht —, gequält —, mitgenommen von, zu kämpfen habend mit* (instr. oder im comp. vorangehend): मायया कृतात्मा BHÁG. P. 4,6,49. कामैरकृतचेताः 10,80,30. मटचीकृतेषु कुरुषु KHĀND. UP. 1,10,1. दीर्घव्याधि° RÁGA-TAR. 6,112. तिमिरदोषकृतं चलः Spr. (II) 2029. गुरुशाप° R. 1,60,17. कृत्याकृतानि गेहानि Spr. (II) 2407. काम° 3054. BHÁG. P. 6,3,33. कामलोभ° 1,6,36. अकाम° ÇAT. BR. 14,7,4,35. पश्चात्ताप° Spr. (II) 599. शाक° 3405. घ्रात्मेदोष° 4835. मरणभय° 6312. असंताप° RÁGA-TAR. 1,41. दृस्युगणपात° VARÁH. BRH. S. 19,7. सु-खदुःखकृतात्मन् BHÁG. P. 4,8,35. अम्भोधयः अयसकृताः 7,8,32. अशुक्तं मुखम् R. GORR. 2,123,11. वायुवेगकृता नौः 52,24. MBH. 7,28. कूलं तो-यकृतम् R. 5,26,13. *vernichtet, verloren, an Allem verzweifeln* von Per-sonen; = मनोकृत AK. 3,1,41. H. 439. कृा कृतास्मि MBH. 3,2364. 10493. 5,7190. R. 2,57,12. 72,17. 90,15. R. GORR. 2,16,21. BHÁG. P. 5,26,15. 7,2,31. PANĀT. 135,1. HIT. 18,12. कृता सेक् परत्र च Spr. (II) 2946. 5060. 5671. 5850. R. 2,82,18. 61,25. 62,12. 73,2. ÇÁK. 22 (Ge-gens. कृतिन्). SARVADARÇANAS. 33,6. RÁGA-TAR. 1,234. °चेतस् adj. R. 2,47,1. °मानस adj. Spr. (II) 4754. *zu Grunde gerichtet, vernichtet, dahin* von Leblosem und Unkörperlichem: देश MBH. 12,12001. स्थान R. 3,35,65. 37,10. 60,30. मधुवन 5,61,7. अस्त्रैरस्त्रेषु बद्धया कृतेषु MBH. 5,7204. R. 1,56,23. रथ HARIV. 13671. अश्ववर्ष 12776. यापि ते पदवी दत्ता कृता रामेण सापि ते R. 3,27,14. वीर्य 4,26,16. धर्म Spr. (II) 3089. 7024.